>

Title: Need to set up a Central University at Ajmer, Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): अध्यक्ष जी, यह केन्द्रीय विषय है।

MR. SPEAKER : यह केन्द्रीय विषय है। Just because it concerns with the Centre, it does not become extremely urgent.

From next week I will be very strict on these issues.

प्रो. रासा सिंह रावत : अध्यक्ष महोदय, अजमेर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक एवं शैक्षिक दृष्टि से देश में अपना विशिष्ट स्थान रखता है। यह नगर राजस्थान के बीचों-बीच स्थित है जहां राज्य के किसी भी भाग से सरलतापूर्वक पहुंचा जा सकता है। यहां के शिक्षण संस्थानों में देश के कोने कोने से विद्यार्थी पढ़ने के लिये आते हैं। यहां का राजकीय महाविद्यालय राजस्थान का सब से बड़ा व पुराना कालेज है। 1956 तक अजमेर एक केन्द्र शासित प्रदेश था। अजमेर में सभी धर्मों को मानने वाले सभी वर्गों तथा विविध भाषा-भाषी लोग सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में रहते आये हैं। राजस्थान में जब कई देसी रियासतें थीं, उस समय भी अजमेर को ही स्वाधीनता संग्राम का केन्द्र बनाकर आजादी की लड़ाई लड़ी गई थी। महात्मा गांधी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, स्वामी शूद्धानंद आदि कई महान् देशभक्तों ने अजमेर में आकर पूरे राजपूताना के लिये आजादी की अलख जगाई थी। अत: स्वाभाविक है कि अजमेर के गौरव को अक्षुण्ण रखा जाये।

राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सब से बड़ा भौगोलिक विषमताओं वाला शैक्षिक दृष्टि से पिछड़ा सीमावर्ती राज्य है। राजस्थान में अभी तक कोई केन्द्रीय विश्वविद्यालय नहीं है। कुछ समय पूर्व भारत सरकार ने राजस्थान में भी एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का निश्चय किया है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये देशभर में अपनी शैक्षिक प्रतिष्ठा के लिये विख्यात अजमेर नगर ही सर्वाधिक उपयुक्त है।

अत: भारत सरकार से अनुरोध है कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना, शैक्षिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं राजस्थान के बीचों-बीच स्थित अजमेर नगर में ही की जाये जिससे अजमेर की गौरव गरिमा स्वतंत्र भारत में भी बरकरार रहे।

12.33 hrs.